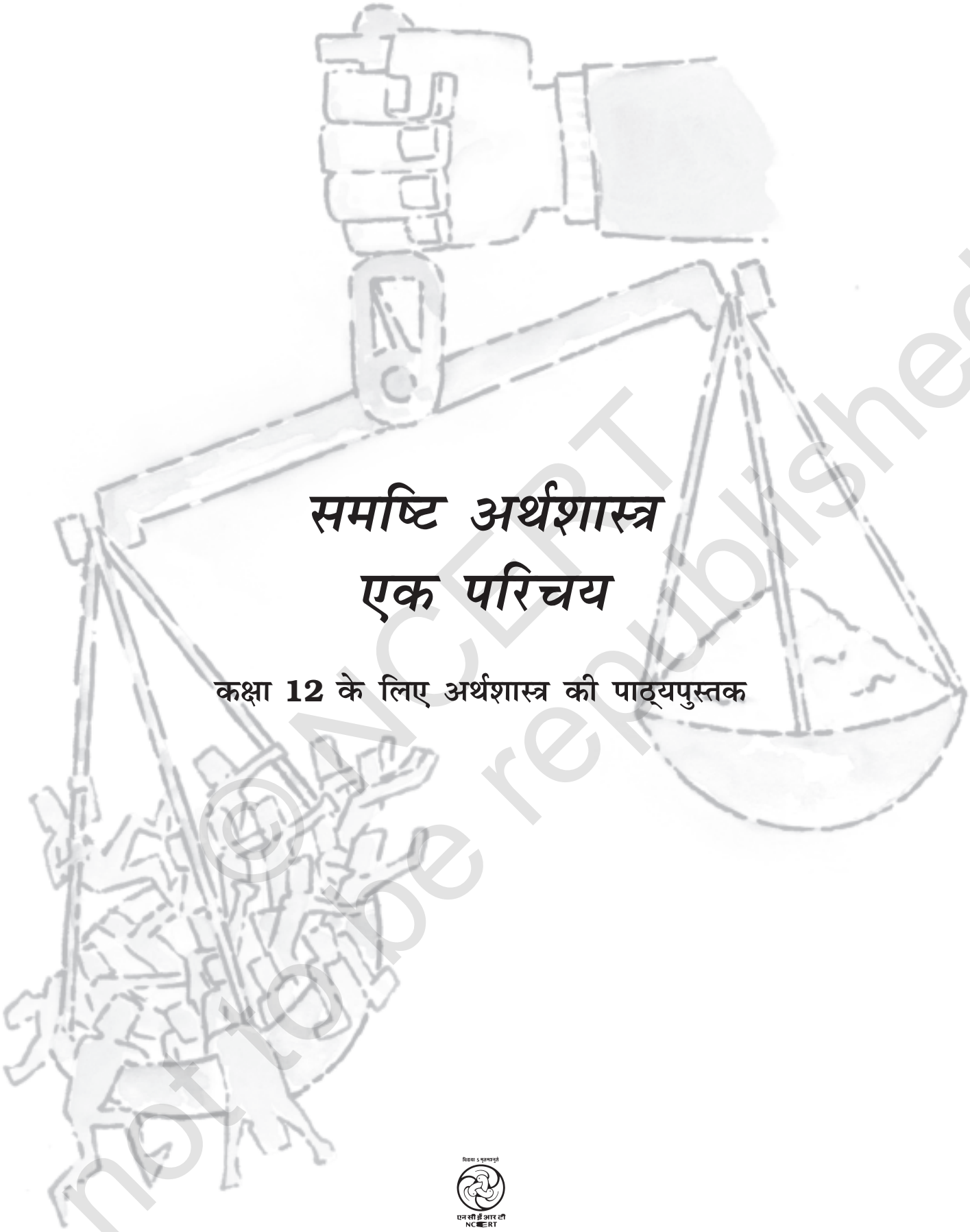

समष्टि अर्थशास्त्र
एक परिचय

कक्षा 12 के लिए अर्थशास्त्र की पाठ्यपुस्तक

© NCERT not to be republished

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
NATIONAL COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH AND TRAINING

ISBN 81-7450-750-7

प्रथम संस्करण
मई 2007 वैशाख 1929

पुनर्मुद्रण
नवंबर 2007 कार्तिक 1929
मार्च 2009 फाल्गुन 1930
जनवरी 2010 पौष 1930
जनवरी 2011 पौष 1932
जनवरी 2012 पौष 1933
दिसम्बर 2013 अग्रहायण 1935

PD 10T RPS

© राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, 2007

₹ 40.00

एन.सी.ई.आर.टी. वाटरमार्क 80 जी.एस.एम. पेपर पर मुद्रित।

प्रकाशन प्रभाग में सचिव, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, श्री अरविंद मार्ग, नयी दिल्ली 110 016 द्वारा प्रकाशित तथा

द्वारा मुद्रित।

सर्वाधिकार सुरक्षित

- प्रकाशक की पूर्व अनुमति के बिना इस प्रकाशन के किसी भाग को छापना तथा इलेक्ट्रॉनिकी, मशीनी, फोटोप्रतिलिपि, रिकॉर्डिंग अथवा किसी अन्य विधि से पुनः प्रयोग पद्धति द्वारा उसका संग्रहण अथवा प्रसारण वर्जित है।
- इस पुस्तक की बिक्री इस शर्त के साथ की गई है कि प्रकाशक की पूर्व अनुमति के बिना यह पुस्तक अपने मूल आवरण अथवा जिल्द के अलावा किसी अन्य प्रकार से व्यापार द्वारा उधारी पर, पुनर्विक्रय या किराए पर न दी जाएगी, न बेची जाएगी।
- इस प्रकाशन का सही मूल्य इस पृष्ठ पर मुद्रित है। रबड़ की मुहर अथवा चिपकाई गई पर्ची (स्टिकर) या किसी अन्य विधि द्वारा अंकित कोई भी संशोधित मूल्य गलत है तथा मान्य नहीं होगा।

एन.सी.ई.आर.टी. के प्रकाशन प्रभाग के कार्यालय

एन.सी.ई.आर.टी. कैंपस
श्री अरविंद मार्ग
नयी दिल्ली 110 016 फोन : 011-26562708

108, 100 फीट रोड
हेली एक्सटेंशन, होस्डेकेरे
बनाशंकरी III स्टेज
बेंगलुरु 560 085 फोन : 080-26725740

नवजीवन ट्रस्ट भवन
डाकघर नवजीवन
अहमदाबाद 380 014 फोन : 079-27541446

सी.डब्ल्यू.सी. कैंपस
निकट: धनकल बस स्टॉप पनिहटी
कोलकाता 700 114 फोन : 033-25530454

सी.डब्ल्यू.सी. कॉम्प्लैक्स
मालीगांव
गुवाहाटी 781021 फोन : 0361-2674869

प्रकाशन सहयोग

अध्यक्ष, प्रकाशन प्रभाग : *अशोक श्रीवास्तव*
मुख्य उत्पादन अधिकारी : *कल्याण बनर्जी*
मुख्य व्यापार प्रबंधक : *गौतम गांगुली*
मुख्य संपादक (संविदा सेवा) : *नरेश यादव*
उत्पादन सहायक : राजेश पिप्पल

आवरण, सज्जा एवं चित्रांकन
निधि वधवा

कार्टोग्राफ़ी
इरफ़ान

© NCERT not to be republished

आमुख

राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा (2005) सुझाती है कि बच्चों के स्कूली जीवन को बाहर के जीवन से जोड़ा जाना चाहिए। यह सिद्धांत किताबी ज्ञान की उस विरासत के विपरीत है जिसके प्रभाववश हमारी व्यवस्था आज तक विद्यालय और घर के बीच अंतराल बनाए हुए है। नयी राष्ट्रीय पाठ्यचर्या पर आधारित पाठ्यक्रम और पाठ्यपुस्तकें इस बुनियादी विचार पर अमल करने का प्रयास है। इस प्रयास में हर विषय को एक मज़बूत दीवार से घेर देने और जानकारी को रटा देने की प्रवृत्ति का विरोध शामिल है। आशा है कि ये कदम हमें राष्ट्रीय शिक्षा नीति (1986) में वर्णित बाल-केंद्रित व्यवस्था की दिशा में काफ़ी दूर तक ले जाएँगे।

इस प्रयत्न की सफलता अब इस बात पर निर्भर है कि विद्यालयों के प्राचार्य और अध्यापक बच्चों को कल्पनाशील गतिविधियों और सवालों की मदद से सीखने और सीखने के दौरान अपने अनुभवों पर विचार करने का अवसर देते हैं। हमें यह मानना होगा कि यदि जगह, समय और आज़ादी दी जाए तो बच्चे बड़ों द्वारा सौंपी गई सूचना-सामग्री से जुड़कर और जूझकर नए ज्ञान का सृजन करते हैं। शिक्षा के विविध साधनों एवं स्रोतों की अनदेखी किए जाने का प्रमुख कारण पाठ्यपुस्तक को परीक्षा का एकमात्र आधार बनाने की प्रवृत्ति है। सर्जना और पहल को विकसित करने के लिए ज़रूरी है कि हम बच्चों को सीखने की प्रक्रिया में पूरा भागीदार मानें और बनाएँ, उन्हें ज्ञान की निर्धारित खुराक का ग्राहक मानना छोड़ दें।

ये उद्देश्य स्कूल की दैनिक ज़िंदगी और कार्यशैली में काफ़ी फेरबदल की माँग करते हैं। दैनिक समय-सारणी में लचीलापन उतना ही ज़रूरी है जितनी वार्षिक कैलेंडर के अमल में चुस्ती, जिससे शिक्षण के लिए नियत दिनों की संख्या हकीकत बन सके। शिक्षण और मूल्यांकन की विधियाँ भी इस बात को तय करेंगी कि यह पाठ्यपुस्तक विद्यालय में बच्चों के जीवन को मानसिक दबाव तथा बोरियत की जगह खुशी का अनुभव बनाने में कितनी प्रभावी सिद्ध होती है। बोझ की समस्या से निपटने के लिए पाठ्यक्रम निर्माताओं ने विभिन्न चरणों में ज्ञान का पुनर्निर्धारण करते समय बच्चों के मनोविज्ञान एवं अध्यापन के लिए उपलब्ध समय का ध्यान रखने की पहले से अधिक सचेत कोशिश की है। इस कोशिश को और गहराने के यत्न में यह पाठ्यपुस्तक सोच-विचार और विस्मय, छोटे समूहों में विचार-विमर्श और ऐसी गतिविधियों को प्राथमिकता देती है जिन्हें करने के लिए व्यावहारिक अनुभवों की आवश्यकता होती है।

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् इस पुस्तक की रचना के लिए बनाई गई पाठ्यपुस्तक निर्माण समिति के परिश्रम के लिए कृतज्ञता व्यक्त करती है। परिषद् सामाजिक विज्ञान पाठ्यपुस्तक सलाहकार समिति के अध्यक्ष प्रोफ़ेसर हरि वासुदेवन और

© NCERT not to be republished

इस पाठ्यपुस्तक समिति के मुख्य सलाहकार **एमेरिटस प्रोफ़ेसर** तापस मजूमदार की विशेष आभारी है। इस पाठ्यपुस्तक के विकास में कई शिक्षकों ने योगदान किया, इस योगदान को संभव बनाने के लिए हम उनके प्राचार्यों के आभारी हैं। हम उन सभी संस्थाओं और संगठनों के प्रति कृतज्ञ हैं जिन्होंने अपने संसाधनों, सामग्री और सहयोगियों की मदद लेने में हमें उदारतापूर्वक सहयोग दिया। हम माध्यमिक एवं उच्च शिक्षा विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा प्रोफ़ेसर मृणाल मीरी एवं प्रोफ़ेसर जी.पी. देशपांडे की अध्यक्षता में गठित निगरानी समिति (मॉनिटरिंग कमेटी) के सदस्यों को अपना मूल्यवान समय और सहयोग देने के लिए धन्यवाद देते हैं। व्यवस्थागत सुधारों और अपने प्रकाशनों में निरंतर निखार लाने के प्रति समर्पित राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् टिप्पणियों एवं सुझावों का स्वागत करेगी जिनसे भावी संशोधनों में मदद ली जा सके।

निदेशक
राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान
और प्रशिक्षण परिषद्

नयी दिल्ली
20 नवंबर 2006

© NCERT not to be republished

पाठ्यपुस्तक निर्माण समिति

अध्यक्ष, सामाजिक विज्ञान पाठ्यपुस्तक सलाहकार समिति

हरि वासुदेवन, *प्रोफ़ेसर*, इतिहास विभाग, कलकत्ता विश्वविद्यालय, कोलकाता

मुख्य सलाहकार

तापस मजूमदार, *एमेरिटस प्रोफ़ेसर,* जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नयी दिल्ली

सलाहकार

सतीश जैन, *प्रोफ़ेसर*, आर्थिक नियोजन तथा अध्ययन संस्थान, सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नयी दिल्ली

सदस्य

देवर्षि दास, *लेक्चरर,* अर्थशास्त्र विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़
मालबिका पाल, मिरांडा हाउस, दिल्ली
संमित्रा घोष, सेंट पॉल कॉलेज, सी–19, कोलकाता
सोमयाजीत भट्टाचार्य, किरोरीमल कॉलेज, दिल्ली

सदस्य समन्वयक

जया सिंह, *लेक्चरर*, अर्थशास्त्र, डी.ई.एस.एस.एच., एन.सी.ई.आर.टी., नयी दिल्ली

© NCERT not to be republished

आभार

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् इस पाठ्यपुस्तक के निर्माण में अपना बहुमूल्य योगदान देने के लिए शिक्षाविदों तथा विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों के प्रति आभार व्यक्त करती है। हम सुब्रतो गुहा, *सहायक प्रोफ़ेसर,* जे.एन.यू. को पूरी पांडुलिपि को आद्योपांत पढ़ने तथा उसमें वांछित परितर्वनों के लिए सुझाव देने हेतु आभार व्यक्त करते हैं। हम सुनील आसरा, प्रबंध विकास संस्थान, गुड़गाँव, हरियाणा को उनके योगदान के लिए धन्यवाद देते हैं। हम अपने सहकर्मियों– नीरजा रश्मि, *रीडर* पाठ्यचर्या समूह; एम.वी. श्रीनिवासन, असीता रविंद्रन, प्रतिमा कुमारी, *लेक्चरर* सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी शिक्षा विभाग का उनके द्वारा प्रदत्त सामग्री तथा सुझाव के लिए धन्यवाद ज्ञापित करते हैं।

हम स्व. दीपक बैनर्जी, *प्रोफ़ेसर* (सेवानिवृत) प्रेसीडेंसी कॉलेज, कोलकाता को उनके बेशकीमती सुझावों के लिए सदैव स्मरण रखेंगे। अगर उनका स्वास्थ्य साथ देता तो हम उनके अनुभवों से और भी लाभान्वित होते।

हम इन के प्रति भी आभारी हैं: प्रमोद कुमार झा, *अनुवादक;* श्री कामना नन्द मिश्र, *मुख्य उपसंपादक (पत्रकार),* दैनिक जागरण, नोएडा; रामतप पांडेय, *पूर्व सहायक निदेशक,* वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली आयोग; ओ.पी. अग्रवाल, *प्रोफ़ेसर (अवकाश प्राप्त),* मेरठ विश्वविद्यालय; एच.के. गुप्ता, बाबूराम सर्वोदय बाल विद्यालय, शाहदरा, दिल्ली एवं रमेश चन्द्रा, *पूर्व रीडर,* रा.शै.अनु. और प्र.प.।

पुस्तक के विकास में सहयोग के लिए हम सविता सिन्हा, *प्राफ़ेसर एवं विभागाध्यक्ष,* सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी शिक्षा विभाग, एन.सी.ई.आर.टी. के प्रति विशेष रूप से आभार व्यक्त करते हैं, जिन्होंने हमें हर संभव सहयोग दिया।

पुस्तक के विकास के विभिन्न चरणों में सहयोग के लिए परिषद् दिनेश कुमार, *प्रभारी,* कंप्यूटर कक्ष, मुक़द्दस आज़म, जय प्रकाश राय, गुरिंदर सिंह तथा अर्चना गुप्ता, *डी.टी.पी. ऑपरेटर;* विनय शंकर पांडेय, सतीश झा एवं अवध किशोर सिंह, *कॉपी एडीटर* तथा बबीता झा, *प्रूफ रीडर* के भी आभारी हैं। प्रकाशन विभाग द्वारा हमें पूर्ण सहयोग एवं सुविधाएँ प्राप्त हुईं, इसके लिए हम उनका भी आभार व्यक्त करते हैं।

© NCERT not to be republished

विषय-सूची

आमुख *iii*

1. परिचय **1**

1.1 समष्टि अर्थशास्त्र का उद्भव 4
1.2 समष्टि अर्थशास्त्र की वर्तमान पुस्तक का संदर्भ 5

2. राष्ट्रीय आय का लेखांकन **9**

2.1 समष्टि अर्थशास्त्र की कुछ मूलभूत संकल्पनाएँ 9
2.2 आय का वर्तुल प्रवाह और राष्ट्रीय आय गणना की विधि 16
2.2.1 उत्पाद अथवा मूल्यवर्धित विधि 18
2.2.2 व्यय विधि 23
2.2.3 आय विधि 24
2.3 कुछ समष्टि अर्थशास्त्रीय तादात्म्य 26
2.4 वस्तुएँ और कीमतें 28
2.5 सकल घरेलू उत्पाद और कल्याण 30

3. मुद्रा और बैंकिंग **37**

3.1 मुद्रा के कार्य 37
3.2 मुद्रा की माँग 38
3.2.1 संव्यवहार प्रयोजन 39
3.2.2 सट्टा उद्देश्य प्रयोजन 40
3.3 मुद्रा की पूर्ति 43
3.3.1 वैध परिभाषाएँ : संकुचित और व्यापक मुद्रा 43
3.3.2 बैंकिंग पद्धति द्वारा मुद्रा सृजन 44
3.3.3 मुद्रा नीति के उपकरण और भारतीय रिज़र्व बैंक 48

4. आय निर्धारण **55**

4.1 प्रत्याशित और यथार्थ 55
4.2 एक वक्र पर संचलन बनाम एक वक्र का शिफ्ट 58
4.3 उत्पाद बाज़ार का अल्पकालिक स्थिर कीमत विश्लेषण 60

© NCERT not to be republished

4.3.1 समस्त माँग वक्र पर एक बिंदु 61
4.3.2 उत्पाद बाज़ार में संतुलन माँग पर स्वायत्त परिवर्तन का प्रभाव 61
4.3.3 गुणक यांत्रिकता 62

5. सरकारी बजट एवं अर्थव्यवस्था 68

5.1 सरकारी बजट के घटक 69
5.1.1 राजस्व बजट 69
5.1.2 पूँजीगत बजट 71
5.1.3 सरकारी घाटे की माप 72
5.2 राजकोषीय नीति 74
5.2.1 सरकारी व्यय में परिवर्तन 75
5.2.2 करों में परिवर्तन 75
5.2.3 ऋण 80

6. खुली अर्थव्यवस्था : समष्टि अर्थशास्त्र 86

6.1 अदायगी-संतुलन 87
6.1.1 अदायगी-संतुलन आधिक्य और घाटा 88
6.2 विदेशी विनिमय बाज़ार 89
6.2.1 विनिमय दर का निर्धारण 90
6.2.2 नम्य विनिमय दरें 90
6.2.3 स्थिर विनिमय दरें 94
6.2.4 प्रबंधित तिरती 95
6.2.5 विनिमय दर प्रबंध: अंतर्राष्ट्रीय अनुभव 95
6.3 खुली अर्थव्यवस्था में आय का निर्धारण 99
6.3.1 खुली अर्थव्यवस्था के लिए राष्ट्रीय आय का तादात्म्य 100
6.3.2 संतुलन निर्गत और व्यापार शेष 102
6.4 व्यापार घाटा, बचत और निवेश 105

शब्दावली 111

© NCERT not to be republished